नास्टमा कम्प्युटर इन्जिनियरिङ, बिसिएस, बिबिएस र सिभिल इन्जिनियरिङका साथै अब MBA पनि ।
नास्ट कलेज
धनगढी-४, उत्तरबेहडी, कैलाली
सम्पर्क नं. ०९१-५२३३१२
९८५८४८७१२५

थारु भाषाके 'क' वर्गके राष्ट्रिय दैनिक

भाषा, संस्कृति ओ समाचारमूलक पत्रिका

पहुरा

PAHURA
NATIONAL DAILY

विवाह पवित्र बन्धन हो,
विवाहलाई लेनदेनको विषय नबनाऔं,
विवाहमा दाईजो लिने र दिने काम नगरौं,
दाईजोका कारण हुने हिंसा अन्त्य गरौं ।
नेपाल सरकार
विज्ञापन बोर्ड

वर्ष २२ अंक २९१ वि.सं. २०८२ वैशाख २९ गते सोम्मार थारु सम्वत (२६४८) [Monday 12 May 2025] (मोल रु. ५ ।- पेज ४)

नेपाल थारु संघ कैलालीके अध्यक्ष लक्ष्मीनारायण चौधरी

पहुरा समाचारदाता
धनगढी, २८ वैशाख । नेपाली काँग्रेसके भातृ संगठन नेपाल थारु संघ कैलालीके पहिल जिल्ला अधिवेशनसे लक्ष्मीनारायण चौधरी फेरसे अध्यक्ष पदमे सर्वसहमतिसे निर्वाचित हुइल बटै ।

कैलारी गाउँपालिकाके हसुलियामे सम्पन्न हुइल पहिल अधिवेशनसे २७ सदस्यीय लौव कार्यसमिति सर्व सहमतसे चयन करल हो । जेकर उपाध्यक्षमे मायाकुमारी चौधरी, सचिवमे चुन्नीराम चौधरी, सहसचिवमे दिनेशकुमार दहित ओ कोषाध्यक्षमे पार्वतीदेवी चौधरी रहल बटै ।

ओस्टे सदस्यमे बासु राना, लक्ष्मण चौधरी, सुन्दर चौधरी, नैना चौधरी, चन्द्रबहादुर थारु, विष्णा दहित, अनिता चौधरी, जनकुमारी चौधरी, शेरबहादुर चौधरी, लक्ष्मी राना, धनिराम चौधरी रहल बटै । ओस्टेक करके रामस्वरुप चौधरी, मितलाल चौधरी, राम किसनी चौधरी, लक्ष्मी चौधरी, रामस्वरुप चौधरी, छाजु राम चौधरी, लेखराम चौधरी, शकुन्तला चौधरी, अनारकली चौधरी, रघुविर चौधरी ओ दुर्गा कुश्मी सदस्य रहल बटै ।

लक्ष्मी नारायण चौधरीके अध्यक्षतामे हुइल कार्यक्रममे पूर्व मन्त्री माननीय उदयशमशेर राणा प्रमुख अतिथि रहल रहिट । उदघाटन शत्रमे सम्बोधन करटी उहाँ नेपाल थारु संघहे मजा बनैना अपने प्रतिवद्ध रहल बटैलै । पार्टीमे आवद्ध रहल थारु समुदायके नेतृत्वकर्ताहुकनहे सक्रिय बनाइक लाग नेपाल थारु संघके स्थापना हुइल बटैलै ।

परशुनारायाण चौधरी ओ विजयकुमार गच्छदारके उदाहरण डेटी उहाँ पार्टीसे थारु समुदायहे नेतृत्वमे पुगाइल बटैलै । मुलुकमे पहिल पार्टी रहल नेपाली काँग्रेस ओ दुसर पार्टी नेकपा एमाले हुइलेसेफे नेकपा माओवादी मौकाके फाइदा उठैटी अस्थिर सरकारके भूमिका निर्वाह करटी रहल कारण स्थिर सरकार बनैना काँग्रेस-एमाले गठबन्धन करल उहाँ बटैलै ।

यी सरकार २०८४ सालसम टिक्न बटैटी संविधान संशोधन प्रक्रिय आघे बहैना मने समानुपतिक सहभागिताके मुद्दा यथावत रनाफे बटैलै । ओस्टेक करके उहाँ नेपाल थारु संघके केन्द्रीय महाधिवेशन हाली हुइना ओकर लाग टीकापुरहे हेरल बटैलै ।

२०५६ सालओर अपने नेपालगंजसे भारत हुइटी धनगढी आई परुल बटैटी अब्बे ढेर विकास हुइल ओ सुदूरपश्चिमके मुहार फेरल बटैलै ।

नेपाली काँग्रेसके केन्द्रीय सदस्य तथा पूर्व मन्त्री रामजनम चौधरी कुहीसे परिचालित नैहुके अपनही आघे बहना आग्रह करलै । *(बाँकी २ पेजमे)*

सचेतनामे आधारित शिक्षाके लाग सम्झौता

विद्यार्थीहे ६० लाख रूपियाँ बराबर छात्रवृत्ति

पहुरा समाचारदाता
धनगढी, २८ वैशाख । कैलालीके धनगढीस्थित चैतन्य पाठशाला ओ नेपाल महर्षि वैदिक फाउण्डेसन बिच सचेतनामे आधारित शिक्षाके लाग द्विपक्षीय सम्झौता हुइल बावै ।

अँट्वारके पाठशालामे आयोजित एक कार्यक्रमके बिच फाउण्डेशनके अन्तर्राष्ट्रिय डाइरेक्टर राजा किङ्गस्ले, लिसले, निर्देशक मीनराज अधिकारी ओ पाठशालाके अध्यक्ष गणेश प्रसाद जोशीके उपस्थितिमे सम्झौता करल हो । यी सम्झौतासे विद्यार्थीके शैक्षिक यात्रा सार्थक, थप सृजनशील, अन्तरदृष्टियुक्त ओ जीवनोपयोगी बनैना मदत पुगना जनाइल बावै ।

सम्झौतापत्रमे कहल बावै, 'शिक्षण प्रणालीमे भावादित ध्यानहे समावेश करजैना, जिहीसे विद्यार्थीके मानसिक सन्तुलन, एकाग्रता, आत्मविश्वास ओ आन्तरिक शान्तिमे वृद्धि कैना अपेक्षा करल बा ।'

'यकर माध्यमसे सृजनशिल प्रज्ञा विज्ञानके विधि फेन अभ्यास कराजैना बावै । यी प्रणालीसे परम्परागत शिक्षाहे वैज्ञानिक एवं आध्यात्मिकतासँग जोर्ना बा । समग्र जीवन निर्माणके आयाम उजागर सँगे आदर्श मानव विकास ओर उन्मुख कराजैना बावै,' सम्झौतामे उल्लेख रहल बावै । *(बाँकी ४ पेजमे)*

नेपाल-भारत सीमामे चेकजाँच कडाइ

पहुरा समाचारदाता
धनगढी, २८ बैशाख । दक्षिण एसियाके दुई शक्तिशाली राष्ट्र भारत ओ पाकिस्तानबिच तनाव बह्रल बेला कैलालीसँग जोरल नेपाल-भारत अन्तर्राष्ट्रिय सीमामे सुरक्षा व्यवस्था कडाइ करल बावै ।

दुई देशबिच हुइटी रहल द्वन्द्वहे मध्यनजर कैटी कौनो फेन अवाञ्छित क्रियाकलाप वा घुसपैठ हुइ नैडेहक लाग सुरक्षा व्यवस्थामे कडाइ करल हो । नेपाल-भारत सीमा क्षेत्रमे कौनो फेन आपराधिक क्रियाकलाप हुइ नैडेहक लाग सुरक्षा व्यवस्था मजबुत बनाइल जिल्ला प्रशासन कार्यालयके प्रशासकीय अधिकृत एवं सूचना अधिकारी शिवराज जोशी बटैलै ।

उहाँ नाकामे चेकजाँचमे कडाइके साथे प्रत्येक व्यक्तिके विवरण रख्ना कार्य हुइटी रहल उल्लेख करलै । "नेपाल-भारत सीमा क्षेत्रमे आपराधिक क्रियाकलाप हुइ नैडेहक लाग समन्वयात्मक ढंगसे डुनु देशके अधिकारीसे काम कैना सहमति फेन हुइल बावै," जोशी कहलै, "सीमानाका होके आउजाउ करटी रहल सबके इन्ट्री कैना ओ विवरण रख्ना काम फेन हुइटी रहल बावै ।" कैलालीमे नेपाल-भारत खुला सिमाना १०१ किलोमिटर रहल बावै । सीमा क्षेत्रमे सुरक्षाके *(बाँकी ४ पेजमे)*

स्वास्थ्य नै धन हो ।

विभिन्न संक्रमणबाट आफू बचौं र अरुलाई पनि बचाऔं, अत्यावश्कीय सेवा प्रवाह गर्दा निम्न कुरामा ध्यान दिऔं ।

- संवभ भएसम्म मास्क लगाऔं, सेवाग्राहीलाई पनि मास्क लगाउन सु-सूचित गरौं ।
- सेवा प्रभावहमा निश्चित भौतिक दुरी कायम गरौं ।
- साबुन पानीले मिचीमिची हात धुने गरौं वा सेनिटाइजरको प्रयोग गरौं ।
- कुनै पनि स्वास्थ्य समस्या भएमा नजिकैको स्वास्थ्य संस्थामा तुरुन्त सम्पर्क गरौं ।

सुदूरपश्चिम प्रदेश सरकार
आन्तरिक मामिला तथा कानुन मन्त्रालय
धनगढी, कैलाली

पेट, छाती, मुटु तथा थाईराईड विभाग
उपचार हुने रोगहरू

- उच्च रक्तचाप, दम तथा मुटु रोगको उपचार
- सुगर (मधुमेह), थाईराईड रोगको उपचार तथा परामर्श
- मिर्गी रोग, प्यारालाइसिस (पक्षघात) तथा अन्य नशा सम्बन्धी रोगको उपचार
- छाती दुख्ने, पेट दुख्ने समस्याको उपचार
- ज्वरो आउने, टाउको दुख्ने तथा पुरानो जटिल रोगको उपचार तथा परामर्श
- सिकल सेलरोग तथा अन्य रगत कम (Anemia) को उपचार तथा परामर्श

डा. सुमन चौधरी
MBBS, MD (KU)
NMC No. 15308
कन्सल्टेन्ट फिजिसियन

२४ सै घण्टा आकस्मिक उपचार
ओ.पि.डी. सेवा प्रत्येक दिन (बिहान ९ देखि साँझ ५ बजेसम्म

धनगढी
संजिवनी अस्पताल प्रा. लि.
(राष्ट्र बैंक चौक, धनगढी-५) सम्पर्क नं. ०९१-५९०३२८, ९७६४२१२७२७, ९७६९९३२१०५

स्माईल चौधरीसे प्रकाशित
सम्पादक : प्रेम चौधरी (९८४८४२२२०७)
कार्यकारी सम्पादक : **राम दहित** (९८४८४९४५१८)
भाषा सल्लाहकार : **दिलबहादुर चौधरी**
पहुना सम्पादक : **कृष्णराज सर्वहारी**
कानूनी सल्लाहकार : **अधिवक्ता जोहारीलाल चौधरी**
व्यवस्थापन सल्लाहकार : **राजकुमार चौधरी**
प्रधान कार्यालय: ध.न.पा.- ८, शिवनगर, कैलाली (नमस्ते सहकारी भवन)
मसुरिया शाखा: दिनेश दहित (९८१२६४१६०१)
हसुलिया शाखा: नरेन्द्र चौधरी (९८४८५४३०३६)
पहलमानपुर शाखा: जीवन चौधरी (९८४७५०१८८७/९८२५६२९३०५)
प्रधान कार्यालय धनगढी
E-mail: dailypahura@gmail.com,
Website: pahura.com
मुद्रक : समैजी अफसेट प्रेस, बेहडी, धनगढी

संस्था सबलीकरणके अपरिहार्यता

विचार
प्राडा शान्तिकृष्ण अधिकारी

नेपाल संस्कृत विश्वविद्यालय (नेसंवि) के केन्द्रीय कार्यालय पुस महिनाके आधाआधी हुइनाआघेसे बन्द बा । नेकपा माओवादी केन्द्रनिकट मन्ना विद्यार्थी संगठनसे लगाइल तालाके कारण करिब पाँच महिनासे विश्वविद्यालयके कर्मचारीके काम चौतारामे हाजिर करना ओ बिदा हुइलपाछे घर जैनामे सीमित बा । यी विद्यार्थी संगठनसे जोनबेला ताला लगाइल, उबेला नवनियुक्त उपकुलपति कुर्सीमे बैठे फेन नैपैलैं ओ उहाँ आजके मितिसम फेन उपकुलपतिके कुर्सी कैसिन रहठ डेखे पैले नैहुइटैं । विश्वविद्यालय प्रशासन विद्यार्थीके सेक्ना सम माग पूरा करना प्रतिबद्धता व्यक्त कैसेक्ले बा । ताला लगैना संगठनके एक तप्का ताला खोल्ना सहमति जनासेकल बा कलेसे ओहे संगठनके औरे तप्काके असहमतिके कारण विश्वविद्यालय बन्द बा । सारांशमे कलेसे देखाइल माग एकमेरिक रलेसे फेन अन्तर्यमे औरे स्वार्थ लुकल बा ।

यकर कुछ समयआघे प्रजातन्त्रवादी प्राध्यापकसे वक्तव्य जारी कैके नेसंवि अनुसन्धान केन्द्रके सब काम ठप्प ढरना चेतावनी डेले रहे । तत्कालीन पदाधिकारीसे सहमतीय अवधारणाहे उल्लंघन करटि वरिष्ठ प्राध्यापकके मानहानी करना ओ अनुसन्धान परिषद्हे एकपक्षीय बनाइल आरोप लगैले रहे । प्रजातन्त्रवादी प्राध्यापक कलेक नेपाली कांग्रेस निकटके मान्जाइठ । ओकर पृष्ठभूमिमे नेपाल विद्यार्थी संघके विद्यार्थी उ केन्द्रमे तालाबन्दी करले रहे मने उ ताला कुछ समय पहिले खुलसेकल रहे । खुलल ठाउँमे औरे संगठनसे पुनः ताला लगासेकल बा ।

उपकुलपतिमे प्राडा धनेश्वर नेपालके नियुक्ति हुइनाआघेसे नेसंविके पदाधिकारीमे सब प्रगतिशील विचारधाराके रहे । अनुसन्धान केन्द्रके निर्देशकसमेत ओहे विचार ढरना रहे ओ बा । उहाँहुकनके कार्यकालमे उहाँहुकन बिचके मनमुटावसे एघार महिनासम अनुसन्धान केन्द्रके कौनो काम आघे नैबह्रल टब फेन ओकर विरोध वा समर्थनमे कोइ नैबोलल । वर्तमान उपकुलपति नियुक्त हुइल १५ दिन नैबिट्ठि प्रगतिशील प्राध्यापक संगठन अनुसन्धान केन्द्र लम्मा समयसे ठप्प हुइल कटि तत्काल खुलैना चेतावनी पत्र प्रकाशन करल । यी संगठन कलेक नेकपा एमालेसँग निकट मानजाइठ । अब्बे विश्वविद्यालय ठप्प हुइल पाँच महिना हुइल कटि ओहे संगठन पुनः पदाधिकारीहे दोषी देखैटि विज्ञप्ति जारी करले बा मने ताला लगुइयनके कत्रा माग जायज बा ओ कत्रा नैमिलल बा कहिके कौनो फेन संगठन बोल्ले नैहो ।

संस्था चलायमान हुइनासे रोक्ना वा गति डेना कनामे तीन ठो राजनीतिक दलके भूमिका महत्वपूर्ण रहना प्रस्ट डेखाइठ । विश्वविद्यालयके वर्गीय संगठन अपन वर्गके अति आवश्यकीय मुद्दामे केन्द्रित हुइनासे फेन राजनीतिक स्वार्थके अन्यान्य विषयमे ढेर चनाख रहना करल पाजाइठ । सम्बद्ध राजनीतिक दलसे उहिनहे पक्षपोषण करल डेखाइठ । यिहिनसे विश्वविद्यालयसे चाहल जत्रा ओ सेकट सम सामर्थ्य प्रयोग कैके प्रगतिके डगर पक्रे सेकल नैहो । गुणस्तरीय शिक्षा डेहेक लाग योजना बुनेपरनामे पदाधिकारीके समय ताला खुलैना योजना बनैटि ओराइ ।

स्वायत्त रूपमे चलेपरना स्वतन्त्र निकायमे अइसिके राजनीतिक दलके हस्तक्षेप अस्वाभाविक रूपमे बह्रना अपेक्षित नतिजा नैडेहठ । प्राज्ञिक निर्णयके आधारमे चलेपरना विश्वविद्यालय दलके क्रिडा मैदानमे परिणत हुइल बा । विश्वविद्यालयके हरेक निकाय विद्वत्ता ओ क्षमताक ओ आधारमे कुशल मानल वरिष्ठसे सञ्चालित हुइपरनामे दलके सिफारिसमे फेन विश्वविद्यालय खुले नैसेकठ ।

यी दुर्गति संस्कृत विश्वविद्यालयसे किल नैहो कि सब विश्वविद्यालयसे भोगे परल बा । त्रिभुवन विश्वविद्यालय फेन करिब एक महिना आघेसे उपकुलपतिविहीन बा ओ यकर कारण किहिनहे रहे नैपरठ । नेसंविके सेवा आयोगके अध्यक्ष ओ सदस्य रिक्त हुइल एक वर्ष नाघसेकल बा ओ कब नियुक्ति हुइ, कोइ कहे सेक्ना अवस्था नैहो । नेपाल राष्ट्र बैंकके गभर्नर नियुक्तिके चर्चा टे बह्रल बा । अइसिन सन्दर्भसे संस्थाहे दुर्बल बनैटि लैजैनाके कौनो शंका नैहो । संस्थाके क्षयीकरणसे परना दिगो योग्यताके कसीमे पुछारमे परनासे समेत हाँकल उदाहरण प्रशस्त बा । प्रतिस्पर्धात्मक आधारमे चयन करना प्रणाली विकसित करे खोजल फेन ओकर आशयबमोजिम पूर्ण कार्यान्वयन हुइ सेकल अवस्था नैहो ।

> लोकतन्त्र प्राप्तिपाछे कबु नेपाली कांग्रेस ओ एमाले, कबु एमाले ओ माओवादी टे कबु माओवादी ओ कांग्रेसके सरकार बनल बा। नेताहुक्रे सत्तामे रहल एक बोली बोल्ना ओ सत्ता बाहिर रहिके बोली फेरना प्रवृत्ति फेन केक्रो केक्रो डेखाइल बा। गठबन्धनमे जोरके एकसे औरेके खुलके प्रशंसा करना ओ गठबन्धन तोरलपाछे हुइल नैहुइल आरोप लगाके सत्तोसराप करना बानी फेन नेपाली दल ओ नेतामे पलि बा। यिहिनसे सबके कमजोरी छताछुल्ल हुइल बा। आजके भारी भ्रष्टाचारीहे फेन काल्ह सदाचारी प्रमाणित करना कम्मर कस्न बानी ओ एकघचिआघेसम इतिहासके भारी नेता कहलहे सहमति टुट्टिकिल गद्दार घोषणा करना फेन लोकतन्त्रके हिमायतीमे आक्रोश ओ निरंकुशताके पक्षपातीमे उत्साह बह्रैना करल बा। आब ढेर ढिलो हुइ लागल बा। एक गभर्नर, एक मन्त्री वा कौनो संस्थाके एक प्रमुखके झैझमेलामे भारी दल अलझके संस्था निकम्मा बनाजाइ कलेसे असन्तुष्टिके ग्राफ और तीव्र गतिसे बह्रे लागल बा। नेकपा एमाले ओ माओवादीके सरकार ओ माओवादी ओ कांग्रेसके सरकार जनतासे भोगसेकल बा। अन्तिम आशा रहल कहल कांग्रेस ओ एमालेके वर्तमान सरकार फेन सफल हुइ नैसेकि कलेसे नेपाल ओ नेपाली आशा करना दल कौनो बाँकी नैरहि।

भागबन्डामे विश्वविद्यालय चल्ना परिपाटी बैठल बा । टमान तहके पदाधिकारीके नियुक्तिके लाग दल प्रत्यक्ष संलग्न होके विश्वविद्यालयहे अस्तव्यस्त बनाइल पाछे नैपरल उदाहरण फेन प्रशस्त बा । नेपाल संस्कृत विश्वविद्यालय पाँच महिनासे तालाबन्दीके समस्या भोगटि बा ओ यकर कारण का हो कना बुझ्ना जे गैलेसे फेन सन्तुष्ट हुइना ठाउँ नैहो । राजनीति करे खोजुइनके लाग टे उपकुलपतिलगायतके पदाधिकारी अक्षम हुइल कारण विश्वविद्यालय ठप्प हुइल कना आरोप लगैना सहजिल हुइल बा मने वास्तविकता बुझ्ना हो कलेसे यिहे परिस्थितिमे इन्द्रके बाउ चन्द्र अइलेसे असरके बारेमे निर्णयकर्ता कोक्ष फेन अनभिज्ञ नैहो ।

मुलुकमे स्थापित संस्था जत्रा सबल हुइटि जाइ, लोकतन्त्र फेन ओत्रे सुदृढ हुइना हो । औपचारिक तथा अनौपचारिक सब संस्थामे कायम सुशासन वा कुशासनसे उ संस्थाके सबलीकरण ओ क्षयीकरणके मार्ग तय करटि रहठ । अइसिन संस्थाहे सन्मार्गमे नेंग्ना कि कुडगरमे कनामे महत्वपूर्ण हात राजकीय सत्ताके रहठ ओ ओम्ने औरे दलके सहयोगी भूमिका रहठ । देशमे सन्तोष करना लायकके कौनो फेन संस्था नैमिलठ कलेसे जनता जत्रा मन परैलेसे फेन लोकतन्त्र फस्टैना डगरमे काँडा मिलठ । यम्ने संवेदनशील हुइपरना कलेक सरकार ओ लोकतन्त्रप्रति आस्था ढरना दल हो मने अपेक्षा करलबमोजिमके संवेदनशीलता पाइ सेकल नैहो ।

अस्थिर राजनीतिसे राष्ट्रके सब अवयव अस्थिर हुइ पुगल बा । मन्त्री परिवर्तन हुइटिकिल मन्त्रालयके सचिव परिवर्तन करे परना प्रणाली स्थापित करल बा, यिहिनसे स्थायी सरकार मानल निजामती सेवा फेन अस्थिर हुइना करल बा । गृहमन्त्री परिवर्तन हुइलपाछे सब जिल्लाके प्रमुख जिल्ला अधिकारी फेरना करल बटैं । मन्त्रीके कौनो आदेश कारणवश परिपालना हुइ नैसेकल अपन पठैना प्रमुखहे फेन बिचमे जगेडामे ढरना चलन बैठल बा । मन्त्री परिवर्तन हुइलपाछे सचिव, सचिव बदललपाछे महानिर्देशक, महानिर्देशक यहोरओहोर करलपाछे कार्यालय प्रमुख सब मेचीसे महाकाली पुग्ना करठैं । समग्रमे कलेसे मुलुक अस्थिर हुइना करल बा ओ यिहिनसे डेना परिणाम कलेक जहाँटहैं अस्तव्यस्तता किल हो ।

यी कुछ प्रतिनिधि उदाहरण किल हो । अइसिन मेरिक समस्या टमान संस्था बेहोरटि आइल बा । हरेक नागरिक कौनो ना कौनो संस्थासँग प्रत्यक्ष वा अप्रत्यक्ष रूपमे जोरल बा ओ जनताके लोकतन्त्रप्रतिके आकर्षण घटैना अइसिन बाट सहायक हुइल रहठ । यिहे नियति भोगल जनताहे आकर्षित करटि टाउको उठैना प्रयत्नमे लोकतन्त्र विरोधी सल्बलाइल बटैं । अइसिन विकृतिविरुद्ध प्रथम चरणमे सचेत हुइपरना कलेक नेपाली कांग्रेस, नेकपा एमाले ओ नेकपा माओवादी केन्द्र हो काहेकि जनमत, सांसद संख्या ओ सरकार गठनके लाग चलखेल करे सेक्ना क्षमता यिहे दलमे बा । आवधिक निर्वाचनमे डेखाइल दलके प्रतिबद्धताहे फेन प्रशंसा करेपरना रहठ । आर्थिक क्रियाकलाप, शिक्षा, स्वास्थ्य, सञ्चार, पूर्वाधार आदिमे लोकतान्त्रिक सरकारसे करल प्रगतिहे फेन धन्यवाद डेहे परठ मने प्रगतिके बिचमे जनतामे असन्तुष्टि वृद्धि हुइना मेरिक हुइल कार्यमे सरकार ओ दल सचेत हुइ नैसेकलमे भर लोकतन्त्रप्रेमीके चित्त दुखाइ रहना करल बा । यिहिनहे विरोधीके संज्ञा डेनासे चित्त दुखाइके कारणहे निर्मूल करनाओर अग्रसर हुइना अब्बेक प्रमुख आवश्यकता बनल बा । नैहो कलेसे लोकतन्त्रप्रेमीमे आइल निराशाहे राजावादी भनाउँदासे बजारीकरण करना सम्भावना प्रचूर मात्रामे बह्रठ ।

अस्टेक अव्यवस्थाहे ध्यानमे ढैके नेपाल गणतन्त्रमे प्रवेश करल दिन जेठ १५ गतेसे राजतन्त्र फर्कैइना उद्देश्यके साथ अनिश्चितकालीन आन्दोलन करना उद्घोष राजावादी कहरल ओरसे करल बा । उहाँहुकनके माग ओ उद्देश्यहे जनता कत्रा साथ डेहठ ओ ओकर कत्रा विरोध हुइठ कना टे समयसे देखैटि जाटि बा । लोकतान्त्रिक कहल दलके नेतासे भारी छोट सभामे राजावादीके विरोध कैके किल पुग्ना भर डेखाइल नैहो । राजावादी काहे अत्रा उत्साहित हुइल बटैं ओ अइनमे काहे अत्रा उन्माद बह्रल बा कना बाटके जडमे गणतन्त्रवादी पुगे सेक परि । (बाँकी ३ पेजमे)

साइकलसे गिरके बालकके मृत्यु

पहुरा समाचारदाता
डोटी, २८ बैशाख । डोटी जिल्लाके के.आई. सिंह गाउँपालिका–४ बाजकोट बैठना बर्ष १३ के शुशिल बिष्टके साइकलसे गिरके मृत्यु हुइल बा ।

वायल बजारसे साईकलमे घर लौटना क्रममे सडकसे अन्दाजी २० मिटर टरे गिरके मुरीमे चोट लागके गम्भीर घाहिल हुइल रहिट । उपचारके लाग डडेल्धुरा अस्पताल डडेल्धुरा लैगिल बा उहाँहि चिकित्सकसे चेकजाँच करेबेर मृत घोषणा करल रहे ।

नेपाल थारु संघ....

नेपाल थारु संघ अब्बे २७ जिल्लामे गठन हुइल ओ १८ जिल्लामे जिल्ला अधिवेशन सम्पन्न हुइल बटैलै । उहाँ पार्टीसे कौनोफे पदमे नियूक्त करेबेर ५ नम्बर निर्वाचन क्षेत्र बाहेकहे अन्याय करल बटैलै । अब्बे संविधान संशोधन हुई जैटी रहल ओरसे अधिकारके लाग आवाज उठैना जरुरी रहल बटैलै । उहाँ सघके जिल्ला अधिवेशनमे सक्कु क्षेत्रहे समेटके अघे लैजाई पर्ना सुझाव डेलै ।

नेपाली काँग्रेसके केन्द्रीय सदस्य तथा पूर्वमन्त्री डा.गोपाल दहित नेपाल थारु संघ जौन–जौन जिल्लामे गठन हुइल ओ उ जिल्लामे बल्गर रहल बटैलै । पार्टी ओ संगठनहे बल्गर बनैना औरके बाट काटके अछुतो बनैनासेफे कौनो कमि कम्जोरी बा कलेसे उहीहे सच्याके लैजिलेसे जनता ओकर मुल्याङकन अपनही कैना बटैलै ।

पार्टीके केन्द्रीय सदस्य तथा थारु विभाग संयोजक योगेन्द्र थारु पार्टी थारु समुदायसे नेतृत्व करुइयाहे सम्बोधन सम्मान करेक लाग नेपाल थारु संघके गठन करल बटैलै । ऐतिहासिक भारी पार्टी थारु समुदायहे आघे नैबह्रलेसेफे नेपाली काँग्रेससे परशुनारायण चौधरी, विजय गच्छादारहे आघे बह्राइल ओ लुम्बिनी प्रदेशमे थारु समुदायके डिल्ली चौधरीहे मुख्यमन्त्री बनाइल बाट आवगत करैलै । ओस्टेक करके उहाँ सुदूरपश्चिम प्रदेशमे प्रदेश नीति तथा योजना आयोगमे रानाथारु समुदायसे डा. जीवन रानाथारुहे उपाध्यक्ष ओ जिल्ला समन्वय कैलालीके प्रमुखमे टीका चौधरी भुलहे नियुक्त करल बटैलै ।

पार्टीके जिल्ला सभापति तथा राष्ट्रिय सभा सदस्य नारायणदत्त भट्ट सम्बोधन करटी थारु समुदायके घरसे लोकतान्त्रिक पद्धति सुरु हुइना बटैलै । नेपाली काँग्रेसमे आवद्ध रहल थारु समुदायहे अपने ओ परराष्ट्रमन्त्री डा आरजु राण देउवा लागल बटैलै ।

कार्यक्रममे प्रदेश नीति योजना आयोगके उपाध्यक्ष डा. जीवन राना, पार्टीके केन्द्रीय सदस्य नृपबहादुर वड, नेपाल थारु संघके केन्द्रीय अध्यक्ष शिवनारायण गुरौ महतो, संविधानसभा सदस्य बुद्धिसागर चौधरी, कैलारी गाउँपालिका अध्यक्ष राजसमझ चौधरी, उपाध्यक्ष भगवतीकुमारी चौधरी, पार्टीके जिल्ला उपसभापति खेमराज डगौराथारु, थारु संघके बाँकेके फुलराम चौधरी, प्रदेश नीति तथा योजना आयोगके सदस्य नृप सुनार, नेपाली काँग्रेस क्षेत्र नम्बर १ के सभापति प्रकाश शाह, क्षेत्र नम्बर ३ के क्षेत्रीय सभापति रिता चौधरी, क्षेत्र नम्बर नम्बर ४ के क्षेत्रीय सभापति बसन्त रोकाय, क्षेत्र नम्बर ५ के क्षेत्रीय सभापति भीम पडाललगायतसे शुभकामना मन्तव्य राखल रहिट ।

उदघाटन समारोहमे स्वागत मन्तव्य जिल्ला उपाध्यक्ष माया चौधरी ओ संचालन जिल्ला सचिव चुनीराम चौधरीले करल रहिट । कार्यक्रममे प्रदेशसभा सदस्य तथा पूर्व भौतिक पूर्वाधार विकास मन्त्री प्रकाश देउवा, प्रदेशसभा सदस्य तुल्सी देवकोटा, पार्टीके केन्द्रीय सदस्य, महासमिति सदस्य, महाधिवेशन प्रतिनिधि, पूर्व महासमिति सदस्य, महाधिवेशन प्रतिनिधि सदस्य, क्षेत्रीय सभापति, तरुण दलके केन्द्रीय सदस्य, थारु संघके केन्द्रीय सदस्य, नेपाल महिला संघके जिल्ला अध्यक्ष शारदा सुनाम, संघके पालिका अध्यक्षहुक्रे, नेविसघके प्रतिनिधिहुकनके सहभागिता रहल रहे । कार्यक्रममे धनगढी उपमहानगरपालिका वडा नम्बर ७ के तीन जाने नेपाली काँग्रेसमे पार्टी प्रवेश समेट करल रहिट । जेम्ने भवनी थारु, शान्ति चौधरी ओ रेजुदेवी चौधरी रहल बटै ।

संधियारको नाममा जारी १५ दिने सूचना

यस उपमहानगरपालिकाको वडा नम्बर ६ कित्ता नं. ३३४ क्षेत्रफल २०८ वर्गमिटरमा भवन निर्माण गर्ने घरधनी श्री हिरादेवी बोगटीले यस उमनपामा पेश गरेको नक्सा बमोजिमको भवन निर्माण गर्न संधियारको नाममा सूचना प्रकाशित गरिएको छ । निवेदन साथ पेश हुन आएको प्रमाण र नक्साको आधारमा निर्माण स्वीकृति दिँदा तपाईको जग्गाको हानिनोक्सानी हुन्छ, हुँदैन, सन्धि सर्पन हानिनोक्सानी हुने भए यो सूचना प्रकाशित भएको मितिले १५ दिनभित्र सबुत प्रमाणसहित नगरपालिकामा उजुर गर्न सुचित गरिन्छ । अन्यथा कानून बमोजिम नक्सापास भै जाने व्यहोरा सम्बन्धित सबैको जानकारीको लागि अनुरोध छ ।

१. निर्माण निमित्त प्रस्तावित जग्गाको चार किल्लाको विवरण

पुर्व: नरेन्द्रबहादुर धानुक — पश्चिम: नृप बोगटी र सडक
उत्तर: गिरिजा पन्त — दक्षिण: लोकबहादुर महरा

धनगढी उपमहानगरपालिका
नगर कार्यपालिकाको कार्यालय, धनगढी, कैलाली

पाठकवर्गसे अनुरोध

प्रिय पाठकवर्ग, पहुरा मिडिया प्रालिसे सन्चालित पहुरा दैनिक ओ पहुरा अनलाइनमे हमार सकेसम थारुपन लन्ना कोशिश जारी बा। विचार पेजमे थारु लगायट अन्य जनजातिनके आवाज हमार पहिला प्राथमिकता हो। अपन मनेम लागल उकुसमुकुस बाट अपनेनके फे लिख्के पठाइ सेकिठ । अपनेक विचार लम्मा हुइ परठ कना नइ हो। आइ कलम पक्रि, अपन मनक बाट ढेरसे ढेन जनहन बाँटि। पहुरा अनलाइनमार्फत अपन बाट संसार भर पुगाइ। *–सम्पादक*

जरुरी टेलिफोनके प्रायोजक:

हमार यहाँ बोइलर मुर्गीनके मासु सुपथ मोलमे मिलठ । सेवा कर्ना मौका अवश्य देहबी ।
नोट : भोजविहा, व्रतवन्धके लाग होम डेलिभरीके सुविधा बा ।
प्रो.रमेश चौधरी
केभी मासु पसल
बैयाबेहडी चौक, धनगढी कैलाली शारद उमावि लग्गे
मो. ९८११६३५६८०

एक्बुलेन्स नम्बर
९८२४६८९६१७, ९८५८४२७०१८, ९८१४६०८०५६, ९८१४६८०००६८, ९८१४६६०२८५

प्रहरी
अञ्चल प्रहरी कार्यालय ०९१- ५२१३०१
जिल्ला प्रहरी कार्यालय ०९१-५२११५०,१००
वडा प्रहरी कार्यालय ०९१-५२१२९९,११०
ईप्रका अत्तरीया ०९१-५५०१२२
त्रिनगर प्रहरी चौकी ०९१-५२११८३
जिल्ला प्रहरी कार्यालय ०९१-५२११५३
ईप्रका मसुरिया ०९१-४०२०१४
ईप्रका चौमाला ०९१-६९२५७१
ईप्रका लम्की ०९१-५४०१९९
ईप्रका भजनी ०९१-५८०१९९
ईप्रका सुख्खड ०९१-५२९१६६
ईप्रका मालाखेती ०९१-५५०१२२
ईप्रका फल्टुरे ०९१-६९०३३०
ईप्रका हसुलिया ०९१-५२९१४५
ईप्रका पाण्डौन ९७४९०१४९०५
सिमा प्रहरी चौकी बहुलिया ०९१-५२९२०६
ईप्रका टीकापुर०९१-५६०१९९
स.प्र.वल सिमासुरक्षा धनगढी ५२६९२८

बैक
नेपाल राष्ट्र बैंक ०९१-२१३२२
नवजिवन बैंक ०९१-५२३६५३
कृषि विकास बैंक ०९१-५२९२३५
मालिका विकास बैंक०९१-५२३७३८
बैंक अफ काठमाण्डौ ०९१-५२३३८६
बैंक अफ एसिया ०९१-५२५६५०
नेपाल बग्लादेश बैंक ०९१-५२१७८५
सिटिजन बैंक ०९१-५२७४८५
कुमारी बैंक ०९१-५२६०३८
सनराईज बैंक ०९१-५२४८५०
नेपाल ईन्भेसमेन्ट बैंक०९१-५२३७०६
एनएमबी बैंक लि.०९१-५२१२१६

सरकारी कार्यालय
जिल्ला प्रशासन .०९१-५२११०१
जिल्ला विकास .०९१-५३२५६०
नगरपालीका .०९१-५२१४२९
मालपोत.०९१-५२१२०१, नापी शाखा.०९१-५६०४०२
कृषि विकास .०९१-५२२२५५, भूमि सुधार.०९१-५२१२२४
जिल्ला हुलाक.०९१-५२११५२, नेपाल बाल संगठन: ५२३६६५

अस्पताल
सेती अञ्चल.०९१-५२१२७१
नवजिवन ०९१- ५२१२३३/५२१७३३
विजय मेडिकल हल धनगढी ०९१-५२३४३५
पद्मा धनगढी ०९१-५५०३५५
सेवा नर्सिङ होम अत्तरीया ०९१-५५०७९७
एम्बुलेन्स मसुरिया ९७४९०१८०८१
घोडाघोडी अस्पताल सुखड०९१-६९४७०७
टीकापुर अस्पताल ०९१-५६०१५०
दमकल १०१
नेपाल रेडक्रस सोसाईटी ०९१-५२१३३३
कैलाली उ.बा.संघ ५२१२३७, ५२३९७१
एम्बुलेन्स : ५२१६००
सामुदायिक एम्बुलेन्स सेवा टीकापुर ९८४८५५७५४०
विद्युत : ५२११४५
दिनेश मेटल ०९१-५२१३९२

होटल
डिमोटी ०९१-५२३९१८/५२५९३१
जगदम्बा०९१-५२३५९०, विद्या०९१-५२३२७३
तरूण ०९१-५२४६९३, सनलाईट०९१-५२१५३६
वर्ल्ड लिंक धनगढी :५२०१५१
ज्ञानुप्लाजा०९१-५२२८३०/५२७१९०
नेपाल पत्रकार महासंघ :५२७१२२

शैक्षिक संस्था
कैलाली बहुमुखी क्याम्पस ०९१-५२१२२३
सुदूरपश्चिमाञ्चल क्याम्पस ०९१-५२३१९२
ऐश्वर्य बहुमुखी क्याम्पस ०९१-५२१०७९

राजनैतिक पार्टी
नेपाली कांग्रेस कार्यालय : ५२४११५
नेकपा (एमाले) कार्यालय : ५२१०१०
बसपार्क काउण्टर धनगढी : ०९१-५२१२५२

एफ.एम
दिनेश एफ एम ९३.८ मेगाहर्ज धनगढी: ०९१-५२६७०१

अइना बजेटमे सरकारके ७ सिद्धान्त, २५ प्राथमिकता

काठमाडौँ, २८ बैशाख । सरकारसे अइना आर्थिक वर्ष २०८२/०८३ के लाग विनियोजन विधेयकके सिद्धान्त ओ प्राथमिकता संसद्मा पेस करले बा । अँटवार प्रतिनिधि सभा बैठकमे उपप्रधान तथा अर्थमन्त्री विष्णुप्रसाद पौडेलसे आर्थिक वर्ष २०८२/०८३ के लाग विनियोजन विधेयकके सिद्धान्त ओ प्राथमिकता पेस करल हुइट ।

सरकारसे प्रस्तुत करल विनियोजन विधेयकके सिद्धान्त ओ प्राथमिकतामे प्रतिनिधिसभामे चार दिन छलफल हुइना बा । अर्थमन्त्री पौडेलसे पेस करल विनियोजन विधेयकके सिद्धान्त ओ प्राथमिकतामे ७ सिद्धान्त ओ २५ प्राथमिकता रहल बटै ।

बजेटके सिद्धान्त ओ प्राथमिकता प्रस्तुत करटी अर्थमन्त्रीसे संसद्से पारित करल नीति तथा कार्यक्रम अनुरूपके बजेट अइना बटैलै । नीति तथा कार्यक्रम अनुसार मौलिक हक तथा राज्यके निर्देशक सिद्धान्तके कार्यान्वयन कैना करके विनियोजन विधेयक अइना बटैलै । अर्थमन्त्री पौडेल अँटवार पेस करल विनियोजन विधेयकके सिद्धान्त ओ प्राथमिकतामे संविधानसे व्यवस्था करल मौलिक हक ओ निर्देशक सिद्धान्तके कार्यान्वयनमे उच्च महत्व डेना उल्लेख बा ।

लोक कल्याणकारी राज्यके अवधारणा अनुरूप समावेशी विकास ओ सामाजिक न्याय कायम करटी विकासके लाभमे आम नागरिकके पहुँच सुनिश्चित करुइयामे विनियोजन विधेयक केन्द्रित हुइना अर्थमन्त्री पौडेल बटैलै ।

उहाँ दिगो ओ तीव्र गतिके विकासके लाग आवश्यक कार्यक्रम तर्जुमा कैनाफे बटैलै । सबल अर्थतन्त्र निर्माण कैना उत्पादनमुखी विकासके ढाँचा अवलम्बन करटी उद्यमशीलता ओ उत्पादकत्व अभिवृद्धि कैना नवीनतम प्रविधिके प्रयोगहे प्रवर्द्धन कैना बटैलै । उहाँ आर्थिक सम्भाव्यताके उदीयमान क्षेत्रहे प्रोत्साहन कैनाफे बटैलै ।

ओस्टे, निजी क्षेत्रमैत्री, प्रतिस्पर्धी ओ आत्मनिर्भर अर्थतन्त्रके निर्माणमे जोड डेटी समृद्ध नेपाल, सुखी नेपालीके राष्ट्रिय आकाक्तृषा अनुरूप समाजवाद उन्मुख अर्थतन्त्रके आधारशिला तयार कैनामे बजेट केन्द्रित हुइना उल्लेख बा ।

ओस्टे, सार्वजनिक सेवा प्रवाहमे नागरिकके सहज पहुँचके लाग सूचना प्रविधिके प्रयोग विस्तार करटी राष्ट्रिय परिचयपत्र प्रणाली ओ नागरिक एपके माध्यमसे सक्कु मेरके सार्वजनिक सेवा प्रवाहबिच अन्तर आबद्धता बह्नैना सरकारके प्राथमिकता हुइना उल्लेख बा ।

ऊर्जा संकट टर्ना जलाशययुक्त आयोजना प्राथमिकतामे

सरकारसे सुक्खायाममे विद्युतके बह्टी मागहे सम्बोधन कैना जलाशययुक्त जलविद्युत आयोजनाके निर्माणहे उच्च प्राथमिकता डेना हुइल बा ।

विद्युत् उत्पादन,प्रसारण ओ वितरण प्रणालीहे थप विश्वसनीय बनैना उद्देश्य रहल जनैले बा । विनियोजन विधेयकके सिद्धान्त ओ प्राथमिकतामे जलविद्युत आयोजनामे निजी क्षेत्रके लगानीहे समेत प्रोत्साहन कैना नीति लेहल बा ।

ऊर्जाके जलाशययुक्त आयोजनाके निर्माणहे प्राथमिकता डेहल बा । उ विधेयकमे जलविद्युत उत्पादन ओ प्रसारण आयोजनामे निजी पुँजी परिचालन कैना प्रोत्साहित कैना उल्लेख बा ।

आन्तरिक ओ अन्तर्देशीय प्रसारण लाइन निर्माण कैना प्राथमिकता समेत डेना कहल बा । ऊर्जा मिश्रणके अवधारणा अनुरूप सौर्य ऊर्जा विकासहे प्रोत्साहित कैनाके साथे विद्युत् वितरण प्रणालीहे आधुनिकीकरण करके विश्वसनीय बनैना उल्लेख करल बा । उत्पादित विद्युत्के आन्तरिक खपत वृद्धि कैना तथा बचत हुइना विद्युत् निर्यात कैना सहजीकरण कैना जनाइल बा ।

कृषि क्षेत्रहे आधुनिकीकरण ओ व्यवसायीकरण

सरकारसे कृषि क्षेत्रहे आधुनिकीकरण ओ व्यवसायीकरण करटी उत्पादन ओ उत्पादकत्व वृद्धि कैना लक्ष्य लेहल बा । खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करेक लाग कृषि क्षेत्रके व्यवसायीकरणमे जोड डेना बताइल बा ।

कृषि क्षेत्रके समग्र 'इकोसिस्टम'हे प्रभावकारी बनैटी व्यावसायिक खेतीहे विशेष प्रोत्साहन कैना बा । कृषि क्षेत्रहे यान्त्रिकीकरण ओ व्यवसायीकरण करके उत्पादन ओ उत्पादकत्व बह्ैना तथा खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित कैना आवश्यक कार्यक्रम सञ्चालन कैना बा ।

ओस्टे, कृषि फार्ममार्फत व्यावसायिक खेती प्रवर्द्धन कैना विशेष प्रोत्साहन कैनाके साथे सामूहिक तथा करार खेती प्रणालीहे सहजीकरण करटी युवाहे कृषिमे आकर्षित कैना नीतिगत व्यवस्था मिलैना उल्लेख करल बा । कृषिमे प्रदान करटी आइल सक्कु प्रकारके अनुदानके पुनरावलोकन करके उत्पादनमे आधारित बनैना बा ।

ओस्टे, रासायनिक मलके सहज आपूर्ति व्यवस्था ओ प्रांगारिक मलके उत्पादनहे प्रोत्साहित करके गुणस्तरीय बिउ तथा प्राविधिक सेवा उपलब्ध हुइना व्यवस्था मिलैना सरकारके योजना बा ।

वित्तीय क्षेत्रके सुदृढीकरण

सरकारसे वित्तीय क्षेत्रके सुदृढीकरणके लाग आधा दर्जन ढेर नीति बनाइल बा ।

वित्तीय क्षेत्रके नियमनहे थप सुदृढ, विश्वासिलो ओ भरपर्दो बनैना बा, नियामक निकायके संस्थागत सुदृढीकरण ओ काम कारबाहीमे पारदर्शिता अभिवृद्धि कैना योजना सुनाइल हो ।

सरकारसे बजेटमे समेटके वित्तीय साक्षरता ओ वित्तीय पहुँच विस्तार कैना, निक्षेप ओ भुक्तानी प्रणालीहे थप सुरक्षित बनैना ओ विप्रेषण आयहे उत्पादनशील उपयोग कैना प्रोत्साहित अर्थमन्त्री पौडेल बटैलै ।

पीडितसे न्याय पैना करके सहकारी ओ लघुवित्त क्षेत्रके समस्याहुकनके समाधान कैना अइना बजेट निर्माण कैना उहाँक कहाई बा । सरकारसे आगामी बजेटमे गैरबैंकिंग सम्पत्ति व्यवस्थापन ओ मौद्रिकीकरणके लाग सम्पत्ति व्यवस्थापन कम्पनी स्थापना कैना ओ डिजिटल बैंक स्थापना कैना उल्लेख करल बा ।

आगामी बजेटके सिद्धान्त

१.मौलिक हक तथा राज्य निर्देशन सिद्धान्तके कार्यान्वयन
२.समृद्ध नेपाल,सुखी नेपालीके राष्ट्रिय आकाक्तृषा पूरा कैना सुदृढ अर्थतन्त्रके निर्माण
३.विकासमे समन्वय ओ सहकार्य
४.सार्वजनिक वित्त सन्तुलन ओ बजेट अनुशासन
५.व्यवसायीमैत्री वातावरणके सिर्जना ओ निजी क्षेत्रके लगानी प्रवर्द्धन
६.सामाजिक सुरक्षाके प्रत्याभूति
७.नागरिक मैत्री सेवा प्रवाह ओ सुशासन

आगामी बजेटके प्राथमिकता
१.रोजगारी सिर्जना,स्वरोजगार प्रवर्द्धन ओ गरिबी निवारण
२.आर्थिक सुधार
३.कृषि क्षेत्रके व्यवसायीकरण
४.विद्युत् उत्पादन,प्रसारण ओ विश्वसनीय वितरण
५.पर्यटन तथा हवाई पूर्वाधारके विकास
६.औद्योगिक क्षेत्रके विकास ओ निकासी प्रवर्द्धन
७.डिजिटल पूर्वाधार ओ डिजिटल अर्थतन्त्रके निर्माण
८.गुणस्तर ओ जीवनोपयोगी शिक्षा
९. गुणस्तरीय स्वास्थ्य सेवा
१०.मानव पुँजी निर्माण
११.युवा,महिला,बालबालिका तथा ज्येष्ठ नागरिक
१२.भौतिक पूर्वाधार तथा आवास विकास
१३.खानेपानी तथा सरसफाइ
१४.भूमि व्यवस्था
१५.जलवायु परिवर्तन ओ विपद् व्यवस्थापन
१६.सामाजिक न्याय ओ समावेशी विकास
१७. सामाजिक सुरक्षा
१८.वित्तीय क्षेत्रके सुदृढीकरण
१९.वित्तीय संघीयता कार्यान्वयन
२०.बजेट प्रणालीके सुदृढीकरण
२१.विकास वित्तके विस्तार
२२.राजश्व प्रणालीके सुदृढीकरण
२३.राष्ट्रिय सुरक्षा
२४.अन्तर्राष्ट्रिय सुरक्षा
२५.कानुनी शासन,मानव अधिकार,सुशासन प्रवर्द्धन

संस्था सबलीकरणके...

जनमत बोकल दल ओ उ दलके सहभागितामे गठित सरकारसे देश ओ जनता लक्षित कामसे विरोधके स्वर दबाइ सेक्ना उत्तम उपाय हो ।

लोकतन्त्र प्राप्तिपाछे कबु नेपाली कांग्रेस ओ एमाले, कबु एमाले ओ माओवादी टे कबु माओवादी ओ कांग्रेसके सरकार बनल बा । नेताहुक्के सत्तामे रहल एक बोली बोल्ना ओ सत्ता बाहिर रहिके बोली फेरना प्रवृत्ति फेन केक्रो केक्रो डेखाइल बा । गठबन्धनमे जोरके एकसे औरेके खुलके प्रशंसा करना ओ गठबन्धन तोरलपाछे हुइल नैहुइल आरोप लगाके सत्तोसराप करना बानी फेन नेपाली दल ओ नेतामे पलि बा । यिहिनसे सबके कमजोरी छताछुल्ल हुइल बा । आजके भारी भ्रष्टाचारीहे फेन काल्ह सदाचारी प्रमाणित करना कम्मर कस्न बानी ओ एकघचिआघेसम इतिहासके भारी नेता कहलहे सहमति टुट्टिकिल गद्दार घोषणा करना फेन लोकतन्त्रके हिमायतीमे आक्रोश ओ निरंकुशताके पक्षपातीमे उत्साह बह्ैना करल बा ।

आब ढेर ढिलो हुइ लागल बा । एक गभर्नर, एक मन्त्री वा कौनो संस्थाके एक प्रमुखके झैझमेलामे भारी दल अलझके संस्था निकम्मा बनाजाइ कलेसे असन्तुष्टिके ग्राफ और तीव्र गतिसे बहे लागल बा । नेकपा एमाले ओ माओवादीके सरकार ओ माओवादी ओ कांग्रेसके सरकार जनतासे भोगसेकल बा । अन्तिम आशा रहल कहल कांग्रेस ओ एमालेके वर्तमान सरकार फेन सफल हुइ नैसेकि कलेसे नेपाल ओ नेपाली आशा करना दल कौनो बाँकी नैरहि ।

का करलेसे जनता सुख पाइ ? कैसिन प्रणाली बैठैलेसे सुशासन कायम हुइ ? का करलेसे लोकतन्त्र समुन्नत लोकतन्त्रमे परिणत हुइ ? सरकारके कैसिन कदमसे जनताके लोकतन्त्रप्रतिके आस्था बह्ठ ? राजनीतिक दलके कौन प्रकृतिके काम ओ कैसिन व्यवहारसे जनताके मन जिटठ ? नेताहुकनके कैसिन आचरण ओ व्यवहारसे जनताहे लोकतन्त्र विरोधीके आवाज मत्थर बनैना प्रोत्साहित करठ ? जैसिन विषयके जानकार सब नेतागण बटैं । लोकतन्त्रबिना ना मुलुकके भविष्य सुरक्षित रहठ, ना जनता खुसी रठैं । टबेमारे लोकतन्त्रके रक्षार्थ औरेक दोष देखैनासे पहिले अपन कमजोरी सच्यैना प्रयास करना कि ?

साभारः गोरखापत्र दैनिकसे

अन्तर्राष्ट्रिय

युद्धविरामपाछेफे भारतसे निलम्बन करटी रहल सिन्धु जल सन्धि का हो ?

काठमाडौँ, २८ वैशाख । भारत-पाकिस्तानबीच शनिच्चर साँझसे युद्धविराम हुइलेसेफे भारतसे सिन्धु जल सन्धिहे निलम्बनके अवस्थामे राखले बा ।

समाचार संस्था रोयटर्स अनुसार, भारत ओ पाकिस्तानबीचके प्रमुख जल बाँडफाँडसम्बन्धी सन्धि सिन्धु जल सन्धि (इन्डस वाटर ट्रिटी) शनिच्चर हुइल युद्धविराम सम्झौताके बाबजुदफे हालसम निलम्बनमे रहल हो ।

भारतसे पहलगाममे हिन्दू पर्यटकहे लक्षित करके करल आतंककारी हमलाके दोष पाकिस्तानउप्पर लगैटी सिन्धु लडिया ओ यकर सहायक लडियाके पानी बाँडफाँड कैना यी सन्धिसे अपनहे बाहेर निकारल घोषणा करल रहे ।

रोयटर्ससे भारत सरकारके एक अधिकारीहे उद्धृत करटी लिखले बा, 'सन्धिप्रति हमार अडानमे कौनो परिवर्तन हुइल नैहो ।'

ओस्टे, पाकिस्तानके जल मन्त्रालय स्रोतहे उद्धृत करटी अलजजिरासे लिखले बा 'सिन्धु जल सन्धि युद्धविराम सम्बन्धी छलफलके विषय नैरहे ।'

भारतीय स्रोतके अनुसार, व्यापार स्थगन ओ भिसा रद्दजैसिन अन्य दण्डात्मक कदमफे हालहे यथावत् रही ।

का हो सिन्धु जल सन्धि ?

सिन्धु जल सन्धि भारत ओ पाकिस्तान पानी बाँडफाँड कैना एक सन्धि हो । सिन्धु नदी ओ यकर सहायक नदीसे उपलब्ध पानी प्रयोग कैना दुई देशसे १९ सेप्टेम्बर १९६० मे सन्धि करल रहे ।

तत्कालीन भारतीय प्रधानमन्त्री जवाहरलाल नेहरू ओ पाकिस्तानी राष्ट्रपति तथा फिल्ड मार्शल अयुब खानसे करााँचीमे उ सन्धिमे हस्ताक्षर करल रहिट । २३ अप्रिल २०२५ मे भारतके विदेश सचिव विक्रम मिश्री पहलगाम आक्रमणपाछे पाकिस्तानके सिन्धु जल सन्धि स्थगित कैना घोषणा करले रहिट ।

सन्धिमे का बा ?

भारत ओ पाकिस्तानबीचके जल बाँडफाँड नियमन कैना यी सन्धि सन् १९६० सेप्टेम्बरमे विश्व बैंकके मध्यस्थतामे दशक नम्मा संवादसे हुइल रहे । सन्धिअनुसार भारतसे तीन पूर्वी नदी सतलज, ब्यास ओ रावीके प्रयोग करे पैही कलेसे पाकिस्तानसे तीन पश्चिमी नदी इन्डस, झेलम ओ चेनाब प्रयोग करे पैना व्यवस्था करल बा ।

यी सन्धिसे विवाद समाधानके स्पष्ट व्यवस्था रख्लेसेफे कौनो एक देशसे एकल निर्णयसे सन्धि तुरना वा निलम्बन करे नैपर्ना व्यवस्था बा ।

पाकिस्तानके सिँचाइ ओ जलविद्युत प्रणाली सिन्धु नदी प्रणालीमे अत्यधिक निर्भर बा । उ भारतहे उप्पर क्षेत्रमे बाँध तथा बाँध प्रणाली बनाके पानी मोरना करल आरोप लगैटी आइल बा । जौन आरोप भारतसे अस्वीकार करटी आइल बा । पाकिस्तानसे भर्खर दुई जलविद्युत परियोजनामे तटस्थ विज्ञ ओ अन्तर्राष्ट्रिय मध्यस्थता अनुरोध करसेकल बा ।

भारतसे भर पाकिस्तान जानीजानी प्रक्रिया लम्ब्याइल आरोप लगैटी आइल बा ओ अपने निर्माण करटी रहल किशनगंगा ओ रातले परियोजना सन्धिअनुरूप रहल दाबी करटी आइल बा ।

निलम्बनसे का असर पारे सेकी ?

समाचार संस्था रोयटर्सके अनुसार अब्बे अवस्थामे भारतसँग पर्याप्त जल भण्डारण क्षमता नैहुइल ओरसे पाकिस्तानओर जैना पानीके प्रवाहमे तत्काल प्रभाव नैपर्ना अनुमान करल बा । मने, यी कदमसे पाकिस्तानके कृषि प्रणालीमे अनिश्चितता ल्यन्ना भारतीय अधिकारी बटैले बटै ।

अब भारतसे बाँध वा जलाशयसे पानीके प्रवाह, बाढसम्बन्धी सूचना लगायत महत्वपूर्ण तथ्यांक पाकिस्तानसँग साझा करेपर्ना बाध्यता नैरही । आउर, सुक्खा मौसममे कम्तीमे पानी डेहे पर्ना व्यवस्थाफे भारतसे पालना नैकरे सेकी ।

डिवश ड्राईभिङ सेन्टर

दक्ष चालक बन्ना सक्कु सैद्धान्तिक तथा व्यवहारिक ज्ञान देना प्रयास हमार, सफलता अपनेन्के ।

सीप सिकी, स्वरोजगार बनी

विद्यार्थी ओ ग्रुपमे अउईयाहुक्रनहे विशेष छुटसहित...

हमार यहाँ दक्ष प्रशिक्षकहुक्रनसे मोटर साईकल, स्कुटी, कार, जीप ग्यारेन्टीके साथ ड्राईभिङ सिखैनाके साथे फोटोग्राफीके सुविधा समेत उपलब्ध बा ।

नोटः *साथे टुरसे अउईया विद्यार्थीनिके लाग बैठ्ना व्यवस्था समेत उपलब्ध बा । समयमे सक्कु सिकारु विद्यार्थीहुक्रनहे सम्पर्क कैना सहर्ष जानकारी कराइटी ।*

धनगढी, चटकपुर कैलाली फोनं. ०९१-४१०२३७ मो.९८४८४३९६८५

पेशागत सुरक्षाके माग कैटी ज्ञापनपत्र

पहुरा समाचारदाता

धनगढी, २८ वैशाख । पत्रकारहुक्रनके पेशागत सुरक्षा ओ निर्माणाधिन सञ्चारसंग सम्बन्धित कानून निर्माण एवं कार्यान्वयन सहितके १० बुँदे माग रख्टी प्रेस सेन्टर नेपाल कैलाली ज्ञापनपत्र बुझैले बावै ।

अँट्वारके प्रेस सेन्टर नेपाल कैलाली जिल्ला अध्यक्ष सुरेन्द्र ताम्राकार सहितके टोलीसे कैलालीके प्रमुख जिल्ला अधिकारी गोगन बहादुर हमाल मार्फत सञ्चार तथा सुचना प्रविधि मन्त्री पृथ्वी सुब्बा गुरुङहे ज्ञापनपत्र बुझाइल हो ।

प्रेस सेन्टर नेपालके केन्द्रिय उपमहासचिव हरिष विक पत्रकारके हत्या, आक्रमण, भौतिक तथा पेशागत असुरक्षा, प्रेस स्वतन्त्रता हननके घटनाके बढोत्तरी ओ निर्माणाधिन सञ्चारसँग सम्बन्धित कानुनमे प्रेस तथा अभिव्यक्ति स्वतन्त्रताहे संकुचन कैना कतिपय प्रावधानसे प्रेस सेन्टर नेपाल चिन्तित ओ गम्भीर रहल बटैटी उक्त घटनाप्रति सरकार सम्वेदनशील हुइ पर्ना बटाइल रहिट ।

ज्ञापनपत्र बुझ्टी प्रमुख जिल्ला अधिकारी हमाल पत्रकारहुक्रनके पेशागत सुरक्षाके लाग अपने संवेदनशील रहल ओ सञ्चार सम्बन्धि ऐन नियम कार्यान्वयनके लाग सम्बन्धित निकायमे बुझैना प्रतिवद्धता जनाइल रहिट ।

प्रेस सेन्टर नेपालसे ज्ञापनपत्र मार्फत माग करल बुँदामे तत्कालीन राज्यसे हत्या करल महान् सहिद कृष्ण सेन 'इच्छुक'सहितके पत्रकारके हत्याराहे कानूनी दायरामे लाने पर्ना, राज्यसे बेपत्ता पारल पत्रकार दीपेन्द्र शर्मा (दण्डपाणि न्यौपाने), मिलन नेपाली, चित्रनारायण श्रेष्ठ, राजेन्द्र ढकालके अवस्था तत्काल सार्वजनिक करे पर्ना रहल बावै ।

ओस्टके एभिन्यूज टेलिभिजनके पत्रकार सुरेश रजकके हत्यामे संलग्नहे कानूनी कारबाही कैना ओ पत्रकार रजकहे सहीद घोषणा तथा परिवारहे उचित राहत प्रदान कैना, श्रमजीवी पत्रकार ऐन, २०५२ के पूर्ण कार्यान्वयन कैना ओ न्यूनतम पारिश्रमिक निर्धारण समितिसे सिफारिस करल न्यूनतम पारिश्रमिक लागू कैना, आम सञ्चार प्रशिक्षण प्रतिष्ठानके गठन, लोककल्याणकारी विज्ञापनहे बजेटमार्फत शतप्रतिशत वृद्धि ओ विज्ञापन ऐनमे हुइल व्यवस्थाअनुसार सक्कु मेरके सञ्चार माध्यमसे पैना मेरके समानुपातिक विज्ञापन वितरण प्रणाली लागू कैना, पत्रकार दुर्घटना बिमाहे थप विस्तार कैके स्वास्थ्य बिमा ओ जीवन बिमाके व्यवस्था कैना, सञ्चार तथा सूचना प्रविधि मन्त्रालय, प्रेस काउन्सिल नेपाललगायतके निकायसे प्रदान कैना पत्रकार वृत्तिविकास अनुदान, सञ्चार उपकरण अनुदान, पुरस्कार/सम्मान पारदर्शी, समावेशी बनाइ पर्ना ओ ओकर सूचना समयमे सक्कु जाने प्राप्त करे मिल्ना मेरके प्रवाह कैना आग्रह करल बावै ।

ओस्टके सञ्चार माध्यम दर्ता प्रक्रियाहे सरल बनैना, एकचो दर्ता होसेकलपाछे अन्य निकायमे पुनः दर्ता/नविकरण करे पर्ना झन्झटिलो व्यवस्था खारेज कैके सहज रुपमे दर्ता कैना प्रवन्ध मिलैना, महिला, दलित, आदिवासी जनजाति, अल्पसंख्यक तथा सीमान्तकृत वर्गसे सञ्चालन करल छोट लगानीके मिडियाहे विशेष प्रोत्साहन कैना तीनु तहमे सञ्चारलगायत सक्कु क्षेत्रमे महिलाके सहभागिता कम्तिमे ३३ प्रतिशत सुनिश्चित कैना, संघीय लोकतान्त्रिक गणतन्त्र, धर्मनिरपेक्षता, समानुपातिक समावेशीतालगायतके नेपाली जनताहुक्रनके लम्मा संघर्षपाछे प्राप्त उपलब्धि ओ संविधानउपरके प्रहारहे रोक्ना लगायतके माग रहल बावै ।

ट्याक्टरमे टकराके एक्के मृत्यु

पहुरा समाचारदाता

धनगढी, २८ वैशाख । कैलालीमे मोटरसाइकल दुर्घटनामे परके एक जनहनके मृत्यु हुइल बावै ।

लम्कीचुहा नगरपालिका वडा नम्बर १ पूर्वपश्चिम महेन्द्र राजमार्ग अन्तर्गत लम्की बहुमुखी क्याम्पस लग्गे शनिच्चर रात मोटर साइकल दुर्घटना हुइल हो ।

बल्चौरसे लम्की अइटी रहल ओहँके लक्ष्मीप्रसाद रिमालके निधन हुइल इलाका प्रहरी कार्यालय लम्की जनैले बावै । से ७ प ३२२३ नम्बरके मोटरसाइकल सवार रहल रिमाल रोकके राखल से १ त ९६२३ नम्बरके ट्याक्टरमे टकराके गम्भीर घाहिल हुइलपाछे स्थानीय अस्पताल लैगिल रहिट ।

उहे रातके रिमालके लालरत्न अस्पतालमे मृत्यु हुइल प्रहरी जनैले बावै । रिमाल कैलाशधाम तीर्थस्थल लम्कीके संस्थापक अध्यक्ष रहल जनाइल बावै ।

सचेतनामे आधारित...

इहे बिच, यी बरससे कक्षा ११ सम पढाई सञ्चालन करे जैटी रहल चतन्यसे ६० लाख रुपियाँ बराबरके लोक कल्याणकारी छात्रवृत्ति प्रदान कैना जनैले बावै ।

चैतन्यसे कक्षा ११ ओ १२ मा अध्ययन करुइया जेहेन्दार विद्यार्थीहे उ छात्रवृत्ति प्रदान कैना जनाइल हो । यी बरससे कक्षा ११ समके पढाई सञ्चालन करे जैटी रहल विद्यालयसे टप २५ विद्यार्थीहे चैतन्य छात्रवृत्ति प्रदान कैना जनाइल हो ।

सुदूरपश्चिम प्रदेशके कोन्वा कन्दरा, दूरदराजमे रहल प्रतिभावान, मेधावी, जेहेन्दार, आर्थिक विपन्नता रहल विद्यार्थीहे छात्रवृत्ति प्रदान कैना विद्यालयके अध्यक्ष जोशी बटैलै । "छात्रवृत्ति प्रक्रियाके लाग प्रतिस्पर्धात्मक परीक्षा सञ्चालन हुइना बावै", उहाँ कहलै, "टप २५ विद्यार्थी छात्रवृत्तिके लाग छनोट हुइना बटै । छनोट हुइल विद्यार्थी विद्यालयमे वार्षिक शुल्क किल टिरे पर्ना बावै । बाँकी औरे सक्कु शुल्क छात्रवृत्ति अन्तर्गत निःशुल्क हुइना बा ।"

"लैङ्गिक समानताके लागि समान सोच ओ व्यवहार: समृद्धिके आधार"

स्थानीय सेवा ऐन लन्ना माग कैटी कर्मचारी आन्दोलित

पहुरा समाचारदाता

धनगढी, २८ वैशाख । स्थानीय सेवा ऐन लन्ना माग कैटी स्थानीय तहके कर्मचारी आन्दोलित हुइल बटै ।

कर्मचारी आन्दोलित हुइलपाछे सुदूरपश्चिम प्रदेशस्थित स्थानीय तहके कामकाज प्रभावित हुइल बावै । कर्मचारीहुक्रे प्रदेश सभामे गत माघमे दर्ता हुइल विधेयक प्रदेश सभासे पारित करे पर्ना माग रख्ले बटै । उहाँहुक्रे बैशाख २८ गतेसे विधेयक पारित नैहुइलेसे चरणबद्ध आन्दोलन कैना चेतावनी समेत डेले बटै ।

उहे बिच अँट्वारके मुख्यमन्त्री कार्यालय आघे धर्ना समेत डेहल बावै । सकारे ९ बजेसे ११ बजेसम मुख्यमन्त्री कार्यालय आघे धर्ना डेहल संघर्ष समितिके संयोजक झलक दौल्याल बटैलै । स्थानीय सेवा ऐन लानक लाग घरी घरी आग्रह कैलेसे फेन नैलानल ओरसे बाध्य होके आन्दोलन करे परल उहाँके कहाइ बावै ।

सुदूरपश्चिमके ८८ स्थानीय तहके कर्मचारी आन्दोलनके लाग धनगढी आइल बटै । प्रदेश सरकारसे ऐन नैलानके लम्मा समयसम अक्के स्थानीय तहमे काम करे परल ओ टमान मेरके समस्या झेल्टी आइल कर्मचारीनके गुनासो रहल बावै ।

इहे बिच स्थानीय तहके कर्मचारीहुक्रे सम्बन्धित पालिका प्रमुखहे ज्ञापनपत्र समेत बुझैले बटै । माग सम्बोधनके लाग दवाव डेना उद्देश्यसे पालिका स्तरमे फेन ज्ञापनपत्र बुझाइल हुइट ।

कैलालीके कैलारी गाउँपालिकामे कार्यरत कर्मचारीहुक्रे पालिका अध्यक्ष राजसमझ चौधरी ओ प्रमुख प्रशासकीय अधिकृत खगेन्द्रराज जोशीहे ज्ञापनपत्र बुझाइल हुइट ।

नेपाल-भारत सीमामे...

लाग सशस्त्र प्रहरी बलमातहतके १९ निकाय बावै । जौनमध्ये सीमा सुरक्षा पोस्ट (बिओपी) किल १४ स्थानमे स्थापना करल बावै । यी जिल्लामे नेपाल-भारत प्रवेशके लाग टीकापुरमे खक्रौला, भजनीमे पृथ्वीपुर ओ धनगढीमे त्रिनगर सहित तीनठो नाका रहल बावै । यद्यपि खुला सिमाना रहल कारण औरे ठाउँसे फेन आउजाउ हुइटी आइल बा ।

भारत-पाक तनाव बहलपाछे सीमा क्षेत्रमे व्यवस्थित तरिकासे चेकजाँच कैना निर्देशन हुइल ओ उहे अनुसार चेकजाँचके काम हुइटी रहल सशस्त्र बल नेपाल नम्बर ३४ गण हेड क्वाटरके सूचना अधिकारी सशस्त्र प्रहरी नायब उपरीक्षक जगदीश जोशी बटैलै ।

सीमा क्षेत्रमे सुरक्षाके लाग भारतीय सीमा सुरक्षा बल (एसएसबी) सँग समन्वय कैके सशस्त्र प्रहरीसे संयुक्त गस्ती फेन कैटी आइल बावै । अइसीन गस्ती पहिलेसे हुइटी आइल बा । यद्यपि संयुक्त गस्तीहे आब आउर बढावा डेहल बावै । ओस्टके डुनु देशके सुरक्षा अधिकारीबिच नियमित समन्वय फेन हुइटी रहल जनाइल बावै ।

मजदुरको हकहित संरक्षण गरौं

- श्रमिकका लागि स्वस्थ, सुरक्षित र मर्यादित कार्य वातावरणको निर्माण गरौं,
- दक्ष श्रमशक्तिको विकास र सदुपयोग गरी उत्पादकत्व बढाऔं,
- असल औद्योगिक श्रम सम्बन्ध कायम गरौं, व्यवस्थापनमा श्रमिकको सहभागिता सुनिश्चित गरौं,
- स्वदेशी तथा विदेशी श्रम बजारको मागअनुरूप दक्ष एवं प्रतिस्पर्धी जनशक्ति तयार गरौं,
- बालश्रमलगायतका श्रम शोषणका सबै रुपको अन्त्य गरौं,
- मजदुरका लागि स्वास्थ्य बीमा, दुर्घटना बीमा, पेन्सनलगायत अन्य सामाजिक सुरक्षाका कार्यक्रमहरु लागू गरौं ।

सामाजिक सुरक्षासहितको रोजगार, हामी सबैको सरोकार ।

नेपाल सरकार
विज्ञापन बोर्ड

सुवर्ण अवसर ! सुवर्ण अवसर !! सुवर्ण अवसर !!!

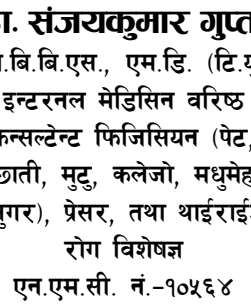

डा. संजयकुमार गुप्ता
एम.बि.बि.एस., एम.डि. (टि.यु.)
इन्टरनल मेडिसिन वरिष्ठ कन्सल्टेन्ट फिजिसियन (पेट, छाती, मुटु, कलेजो, मधुमेह (सुगर), प्रेसर, तथा थाईराईड रोग विशेषज्ञ
एन.एम.सी. नं.-१०५६४

डाक्टरद्वारा दिइने स्वास्थ्य सेवाहरू

- मुटु दुखेको, मुटु भारी जस्तो भएको, मुटुको धडकन बढेको ।
- सास लिन गाह्रो हुने, छाती दुख्ने, रूघाखोकी लागेको, खकारबाट रगत देखिने, लामो समयदेखि दमको समस्या भएको ।
- पेट दुख्ने, कोखा दुख्ने, मुखबाट रगत बग्ने ।
- अमिलो पानी आउने, ढ्याउ-ढ्याउ आउने, उल्टी हुने, पेट फुलेर खान मन नलाग्ने ।
- पिसाब पोल्ने, रातो पिसाब आउने, कम पिसाब हुने, पिसाब बन्द हुने, राति धेरै पटक पिसाब हुने, खुट्टा सुन्निने, पहेंलो पिसाब हुने)
- पेट फुल्ने, हात खुट्टा सुन्निने, पेटमा पानी जम्ने, जण्डिस हुने, खाना नरूच्ने, दम हुने ।
- धेरै मोटो हुने, निन्द्रा धेरै लाग्ने, मुटुको धडकन बढ्ने, आँखा बाहिर आउने, मान्छे एकदम पातलो हुने ।
- टाउको दुख्ने, चक्कर लाग्ने, हिँड्दाखेरि लडिबुडी हुने, निन्द्रा नलाग्ने, हिँड्दा खेरि दम हुने ।
- धेरै तिर्खा लाग्ने, धेरै पिसाब हुने, धेरै खान मन लाग्ने, हातखुट्टा झम-झम गर्ने ।
- सुगर, प्रेसर, थाइराइड रोगको उपचार तथा परामर्श ।
- ज्वरो सम्बन्धी सम्पूर्ण रोगको उपचार ।
- शरीरमा रगत कम हुने, अल्छी लाग्ने, शरीर सुनिने, थाकने ।
- बाथ रोग सम्बन्धी उपचार तथा परामर्श ।

डाक्टर आउने समय : प्रत्येक दिन, आकस्मिक सेवा (चिकित्सक) २४ घण्टा

हाम्रा सेवाहरु : *१) २४ घण्टा ईमर्जेन्सी सेवा, फार्मेसी सेवा, अत्याधुनिक प्याथोलोजी, रंगीन इण्डोस्कोपी, डिजिटल एक्सरे, रंगीन भिडियो एक्सरे, अत्याधुनिक अप्रेसन थियटरबाट सेवा, वातानुकुलीन एम्बुलेन्स, वातानुकुलीन क्याविन । २) स्त्री रोग तथा प्रसुती सम्बन्धी सेवा (बाँझोपन, सेतोपानी बग्ने, तल्लो पेट दुख्ने, महिनावारी गड्बडी, पाठेघर खस्ने, पाठेघरको अप्रेशन, गर्भवती तथा सुत्केरी सेवा) । ३) ल्याप्रोस्कोपी तथा जनरल सर्जरी (हाइड्रोसिल, हर्निया, पायल्स, फिस्टुला, स्तनमा गाँठागुठी आउने, शरिरका विभिन्न भागमा गाँठागुठी, घाउ खटिरा, पत्थरी, किड्नीको पत्थरी, प्रोस्टेटको अपरेशन तथा पित्तथैलीको पत्थरी अप्रेशन) । ४) हाड(जोर्नी तथा नशा सम्बन्धी सेवा (हाटखुट्टा बाङ्गो, फ्याक्चर, हाडजोर्नीको दुखाई, कम्मर दुख्ने तथा अत्याधुनिक मेशिनबाट हड्डीको अप्रेशन)छाती, मुटु, कलेजो तथा पेट सम्बन्धी सेवा । ५) यौनरोग, कपाल तथा छाला रोग सम्बन्धी सेवा । ६) मानसिक तथा मनोरोग सेवा । ७) नाक, कान, घाँटी रोग सम्बन्धी सेवा । ८) मुर्छा पर्नु, टाउको दुख्ने जस्ता समस्याहरू, प्यारालाइसिस हातखुट्टा नचल्ने सम्बन्धी सेवा । ९) न्यूरो (नशा रोग) लागुपदार्थ दुर्व्यसनी, कुलत सम्बन्धी, हाटखुट्टा झमझमाउने, छारे रोग । १०) आगोले पोलेको हातखुट्टा बाङ्गिएको र खुँडेको अप्रेशन आदि सेवा ।*

कैलाली अस्पताल प्रा.लि
Kailali Hospital Pvt. Ltd. 2070
जिल्ला प्रशासन कार्यालय अगाडि, पशुपति टोल, धनगढी, कैलाली
फोन नं. ०९१-५२४५५५, ५२४६५४, ५२१२४९

ग्राहक वर्गहरूमा खुशीको खबर !

हाम्रो यहाँ सबै कम्पनीका रि-कण्डिसन मोटरसाइकलहरू पाइनुका साथै मर्मत पनि गरिन्छ र सबै कम्पनीका हेलमेट र पार्टसहरू थोक तथा खुद्रा मूल्यमा पाईन्छ ।

कुनै पनि मोटरसाइकल नगद खरिद गरेमा आकर्षक उपहारको व्यवस्था रहेको जानकारी गराउँदछौं ।

संजय अटो सेल्स एण्ड रि-कण्डिसन

धनगढी-४, उत्तरबेहडी (चटकपुर शहिद गेट भन्दा दुईसय मिटर पूर्व)

फोन न. ०९१४१०१०५, सुजित मो. ९८५८४२३९१२, सुनिल मो. ९८६७७९३५२१, महेश मो. ९८१३१३१०२९